IBO IB DIPLOMA PROGRAMME
PROGRAMME DU DIPLÔME DU BI
PROGRAMA DEL DIPLOMA DEL BI

M06/1/A1HIN/HP2/HIN/TZ0/XX

22060130

HINDI A1 – HIGHER LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2

Tuesday 23 May 2006 (afternoon)
Mardi 23 mai 2006 (après-midi)
Martes 23 de mayo de 2006 (tarde)

2 hours / 2 heures / 2 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु ये भाग तीन में पढ़ी हुई दो कृतियों से अतिरिक्त होनी चाहिए। आप अन्य कृतियों की चर्चा कर सकते हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

कविता

१ **क** कवि अपनी बात सामान्य भाषा में न कहकर कुछ ऐसी शब्दावली में कहता है जो हमारी कल्पना शक्ति को जगा देती है। कविता में कल्पना की उड़ान हृदय की अनुभूति पर आधारित होनी चाहिए। अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कविताओं के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

या

ख रचना और विषयवस्तु दोनों ही दृष्टिकोण से कविता का अपना एक विशेष युग होता है और उस युग –विशेष के अनुभवों विचारों एवं पसन्द से कविता प्रभावित होती है। अपनी पढ़ी हुई किन्हीं दो या तीन कविताओं के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उपन्यास

२ **क** उपन्यासकार अपने उपन्यास के माध्यम से तत्कालीन युग की महत्वपूर्ण घटनाओं तथा जीवन से हमारा परिचय कराने में समर्थ है। आपके विचार से किस उपन्यासकार की रचना समाज जीवन के विभिन्न पक्षों समस्याओं एवं घटनाओं को दर्शाने में सर्वाधिक सफल रही है।अपने पढ़े हुए किन्हीं दो या तीन उपन्यासों पर विचारविमर्श करते हुए विवेचना कीजिए।

या

ख किसी भी उपन्यास की कथावस्तु उसका मुख्य आधार है।अपने पढ़े हुए दो या तीन उपन्यासों के कथावस्तु की समालोचना इस प्रकार कीजिए कि उसके सभी गुण-दोष परिलक्षित हो सके।

कहानी

३ **क** कहानी पाठक के मानस पटल पर स्थाई एवं अमिट प्रभाव छाप छोड़ देती है। अपने पढ़े हुए दो या तीन कहानियों के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

या

ख अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कहानियों की तुलना करते हुए यह बताइए कि उनमें विभिन्न पात्रों का चरित्र चित्रण सफलतापूर्वक किया गया है।आपके विचार से किस कहानीकार की रचना चरित्र चित्रण में सर्वाधिक सफल रही है।

नाटक

४ **क** नाटक का उद्देश्य मात्र मनोरंजन नहीं वरन समाज की समस्याओं से जनमानस को अवगत कराना एवं उसका समाधान ढूँढ़ना भी है।जिन दो या तीन नाटकों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर विवेचना कीजिए।

या

ख नाटक मानव जाति का अभिनयात्मक रसमय चित्रण है ,जिसे अभिनय व संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है और इसमें अक्सर हास्य व्यंग्य देखने को मिलता है। कैसे? अपने पढ़े गए दो या तीन नाटकों के आधार पर विवेचना कीजिए।

निबंध

५ **क** जिन दो निबन्धों को आपने पढा है उनकी विशेषताओं; जैसे, विषय के प्रस्तुतीकरण , भूमिका तथा निष्कर्ष के आधार पर तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

या

ख सफल और सुंदर निबन्ध लिखना एक कठिन कार्य है इसके लिए लेखक के विचार परिपक्व तथा शैली प्रौढ़ होनी चाहिए।अपने पढ़े हुए दो अथवा तीन निबंधों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

साधारण प्रश्न

६ **क** साहित्य में समाज हित की भावना छिपी होती है । आपने जिन दो रचनाओं को पढ़ा है उनके आधार पर प्रमाणित कीजिए।

या

ख नारी जीवन के परिप्रेक्ष्य में समाज में प्रचलित रूढ़िवादी मान्यताओं को रचनाकारों ने समय-समय पर उभारने का प्रयास किया है। अपनी पढ़ी हुई रचनाओं के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

या

ग साहित्य जीवन की व्याख्या है।प्रेम, ईर्ष्या , सुख –दुख , जवानी, बुढापा मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं।जिन रचनाओं को आपने पढ़ा है उनमें साहित्यकारों ने इसे कैसे प्रस्तुत किया है?

या

घ प्रत्येक रचनाकार की अपनी निजी विशेषताएँ होती है , जिसके कारण पर वह पाठकों के मन मस्तिष्क को जीत लेता है। अपनी पढ़ी हुई रचनाओं के आधार पर उपर्युक्त की समीक्षा करें।